एशियाई पैरालम्पिक में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

114 पदकों के साथ भारत का अभियान समाप्त









नागोया। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन करते हुए एशियाई पैरा खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने शुक्रवार को यहां आखिरी दिन रिकॉर्ड प्रदर्शन के दम पर 30 स्वर्ण सहित कुल 114 पदक जीतकर अपना अभियान समाप्त किया भारत ने इस बार इन खेलों में 168 खिलाड़ियों का दल भेजा था जो 2023 में हांगझोउ में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हांगझोउ में 27 स्वर्ण सहित 108 पदक जीते थे जो उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। यहां जारी खेलों में शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा एथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया। भारत फिलहाल पदक तालिका में चौथे स्थान पर है, लेकिन शनिवार को कुछ स्पर्धाओं के फाइनल होने के कारण उसकी स्थिति बदल सकती है। भारत का उन स्पर्धाओं में कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। अभियान के आखिरी दिन भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीते जो इस चरण में उसका एक दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये स्वर्ण पदक तीरंदाजी, निशानेबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स में मिले। एथलेटिक्स ने हमेशा की तरह भारत के लिए पदक संख्या में इजाफा किया। इस स्पर्धा में भारत ने कुल 65 पदक जीते जो 2023 के मुकाबले 12 अधिक हैं। शुक्रवार को हालांकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं और तीन स्वर्ण पदक जीते। इनमें पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और नवीन शिवकुमार के व्यक्तिगत वर्गों के स्वर्ण पदक शामिल हैं। अनुभवी नितेश ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण और मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि इन खेलों में पदार्पण कर रहे नवीन ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग का स्वर्ण अपने नाम किया। 31 वर्षीय नितेश ने पुरुष एकल फाइनल में हमवतन और तोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत को 21-18, 21-16 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने तुलसीमति मुरुगेसन के साथ मिश्रित युगल में रजत पदक जीता। नवीन ने एसएल4 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-9, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। तुलसीमति ने भी यादगार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। उन्होंने महिला युगल का खिताब अपने नाम किया। पेरिस पैरालंपिक की रजत पदक विजेता 24 वर्षीय तुलसीमति ने मानसी जोशी के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 का खिताब जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में चीन की यांग किउशिया और शियाओ जुशियान को 21-16, 21-13 से हराया इससे पहले तुलसीमति को महिला एकल एसयू5 के फाइनल में यांग किउशिया से 18-21, 11-21 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स में संदीप और हनेई ने क्रमश: पुरुषों की 400 मीटर टी64 और भाला फेंक एफ37/38 स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। मौजूदा पैरालंपिक और विश्व चैंपियन सुमित अंतिल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की भाला फेंक एफ42-44/61-64 संयुक्त स्पर्धा में भारत का दबदबा कायम किया। उन्होंने 72.46 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। एफ42 वर्ग में हिस्सा लेने वाले महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि एफ44 वर्ग के संदीप संजय सरगर ने 64.48 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया। महेंद्र को कम दूरी के बावजूद रजत पदक मिला। संयुक्त स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की रैंकिंग तय करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आरएजेडए अंक में महेंद्र को बढ़त मिली, जिसके आधार पर उन्हें संदीप से ऊपर स्थान दिया गया। भाला फेंक और चक्का फेंक जैसी मैदान में होने वाली स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने और मुकाबले को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एफ42, एफ44, एफ62 और एफ64 जैसे वर्गों को अक्सर एक संयुक्त स्पर्धा में शामिल किया जाता है।



सिंधू सेमीफाइनल में, अश्मिता बाहर



पेरिस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शुक्रवार को यहां फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली जबकि अश्मिता चालिहा का शानदार अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने 9.5 लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियान को 39 मिनट में सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। अश्मिता को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में 10-21, 21-17, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज 27 साल की अश्मिता ने बृहस्पतवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

प्रतिका का शतक, भारत ने जिम्बाब्वे को हराया



वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने श्री चरणी (23 रन देकर चार विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद प्रतिका रावल (नाबाद 100) के तीसरे वनडे शतक और शेफाली वर्मा (नाबाद 64) के अर्धशतक से शुक्रवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे पर 22.5 ओवर रहते नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की पारी का आगाज करने के लिए भेजी गई प्रतिका ने 96 गेंद की पारी के दौरान 15 चौके लगाए और शेफाली ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के जड़े। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 106 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट पर 200 रन बनाकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना (32 रन) आउट होने वाली एकमात्र बल्लेबाज रहीं। इससे पहले श्री चरणी ने 10 ओवर में 23 रन देकर चार विकेट झटककर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे जिम्बाब्वे की टीम 49.5 ओवर में 197 रन पर सिमट गई। प्रतिका ने बल्लेबाजी के लिए मुफीद पिच पर बिना कोई जोखिम लिए बेहतरीन शॉट्स लगाए। आसान पिच और जिम्बाब्वे की कमजोर गेंदबाजी के सामने भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की। हालांकि 16वें ओवर में मंधाना का विकेट गिर गया। वह ओलिंडर चारे की गेंद पर लांग ऑन पर खड़ी बिलव्ड बीजा को कैच थमा कर पवेलियन पहुंची। हालांकि तब तक मंधाना और प्रतिका ने पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़ लिए थे। फिर क्रीज पर उतरी शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी कर चारे की गेंद पर लगाकार छक्के लगाते हुए 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। प्रतिका के लगातार चौके से शतक पूरा करने के बाद शेफाली ने चौका लगाकर मैच का समापन किया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए बिलव्ड बीजा ने 62 रन की अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन इसके बावजूद टीम 200 रन के अंदर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की पारी को झकझोर दिया।

जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने परविंदर

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नवगठित जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया अवाना ने भारत के लिए दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने 62 प्रथम श्रेणी मैच में 191 विकेट हासिल किए। उन्होंने दिल्ली, भारत 'ए' और शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की ओर से खेले थे। संन्यास के बाद अवाना ने कोचिंग की राह अपनाई। उन्होंने दिल्ली की अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीम के साथ काम किया। इसके अलावा वह भारत की अंडर-19 टीम के साथ बीसीसीआई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के विभिन्न कार्यक्रमों से भी जुड़े रहे।समिति के अन्य सदस्यों में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन अर्जुन यादव शामिल हैं। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्यों की नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया पूरी की।

बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच होगा कड़ा मुकाबला

भारत-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी-20 मुकाबला आज, प्रसारण दोपहर 12.30 बजे से



क्राइस्टचर्च। भारत पहले मैच में बल्लेबाजों के दम पर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा लेकिन अगर उसे अपना विजय अभियान जारी रखना है तो न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा पिछले कुछ समय की तरह इस मैच में भी भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। अगर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तो परिणाम उल्ट हो सकता था। भारत ने 226 रन का रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली लेकिन बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता बाकी मैचों में भारी पड़ सकती है। भारत के लिए पांचवें और छठे गेंदबाज का विकल्प चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि चोटिल हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में अन्य ऑलराउंडर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पहले मैच में नीतीश रेड्डी ने चार ओवर में 40 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि नमन धीर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में मैच विजेता पारी खेली। भारत की गेंदबाजी की मुश्किलों को और बढ़ाने वाली बात यह है कि श्रृंखला के पहले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। लगभग चार साल बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे भुवनेश्वर कुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे और उन्होंने चार ओवरों में 49 रन लुटा दिए। उनकी दो नो-बॉल और उतनी ही वाइड गेंदों से पता चलता है कि उन्हें लय में आने के लिए और समय चाहिए फिन एलन और उनके साथी सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने पावरप्ले में भुवनेश्वर और अर्शदीप पर मनचाहे चौके लगाकर इन दोनों तेज गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है और ऐसे में गेंदबाजों को किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। पहले टी20 में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले अक्षर पटेल पर भी दबाव होगा। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चार विकेट से जीत के बाद कहा, '' हमें हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय हमने ओवर पिच गेंदबाजी अधिक की। बल्लेबाजी की बात करें तो ईशान किशन के चोटिल होने के कारण 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल सकता है।

आडवाणी ने जीता 29वां विश्व खिताब



बर्मिंघम। क्यू खेल के दिग्गज खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने यहां डब्ल्यूबीएल विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर करियर का 29वां विश्व खिताब अपने नाम किया और साबित कर दिया कि इस खेल में उनका जलवा अब भी कायम है। इकतालिस वर्षीय आडवाणी सेमीफाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय थे और अंतत: उन्होंने पांच घंटे तक चले बेहद रोमांचक फाइनल में इंग्लैंड के रॉब हॉल को 1906-1206 से शिकस्त दी आडवाणी और हॉल दोनों के लिए फाइनल काफी अहम था। हॉल इससे पहले पांच बार विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन हर बार खिताब जीतने से चूक गए थे। वहीं आडवाणी की नजरें क्यू खेलों में अपने विश्व खिताबों के बेमिसाल रिकॉर्ड को और बेहतर करने पर थीं। फाइनल की शुरुआत आडवाणी ने 91 के ब्रेक के साथ की। इसके बाद हॉल ने 203 का शानदार ब्रेक बनाकर बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले के करीब दो घंटे बाद दोनों खिलाड़ी लगभग बराबरी पर थे। तभी आडवाणी ने एक और शतकीय ब्रेक लगाकर बढ़त बना ली। अगले 30 मिनट तक हॉल ने शानदार बिलियर्ड्स खेलते हुए 331 का ब्रेक बनाया और कई बार के विश्व चैंपियन आडवाणी से 300 से अधिक अंकों की बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले में दो घंटे से भी कम समय बचा था और अंकों का अंतर लगातार बढ़ने के कारण आडवाणी मुश्किल स्थिति में नजर आ रहे थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ राहुल-जायसवाल पर रहेंगी नजरें

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच चार दिवसीय मैच आज से



लिंकन। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे सीनियर टीम के खिलाड़ी भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से यहां शुरू होने वाले पहले चार दिवसीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अपनी तैयारी को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की अगुवाई में भारत ए टीम बर्ट सटक्लिफ ओवल स्टेडियम में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस मैच से भारतीय खिलाड़ियों को 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले परिस्थितियों को समझने का अच्छा मौका मिलेगा। यह टेस्ट श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। राहुल और जायसवाल भारतीय टीम में शामिल दो प्रमुख नाम हैं। उनके अलावा देवदत्त पडिक्कल, वाशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप, अंशुल कंबोज और मुकेश कुमार भी ऐसे खिलाड़ी हैं जो सीनियर टीम का हिस्सा हैं। ऋषभ पंत चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं, इसलिए वह भारत ए टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह ईरानी ट्रॉफी में शेष भारत की कप्तानी करते हुए चोटिल हो गए थे। उनके स्थान पर विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को दौरे के पहले दो मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया था। तीसरे मैच में पंत की उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा। कप्तान जुरेल विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। भारतीय सीनियर टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक इन तीन अनौपचारिक टेस्ट मैचों के महत्व को अच्छी तरह समझते थे कोटक ने कहा, '' भारत ए श्रृंखला का काफी महत्व है क्योंकि इसमें टेस्ट खेलने वाले कई खिलाड़ी शामिल हैं तथा कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो टीम में जगह बनाने की राह पर हैं और मौके का इंतजार कर रहे हैं। भारत ए श्रृंखला से निश्चित रूप से टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयारी करने में काफी मदद मिलेगी। भारत की टेस्ट टीम में शामिल आकाश दीप भी उन गेंदबाजों में शामिल होंगे जो लय और मैच फिटनेस हासिल करने की कोशिश करेंगे। कुछ सीनियर खिलाड़ियों की हालांकि भारत ए की तरफ से सभी तीनों मैच में खेलने की संभावना नहीं है क्योंकि वह चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला का हिस्सा हैं।

सुजीत करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई



नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमन सहरावत और रजत पदक विजेता अंतिम पंघाल ने शनिवार से शुरू होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिये हैं जिससे कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती की अगुआई सुजीत कलकल करेंगे जापान में हुए एशियाई खेलों में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली अंतिम ने चयन के लिए हुए अंतिम ट्रायल मुकाबले में अपने 53 किग्रा वर्ग के बजाय 55 किग्रा वर्ग में उतरने की इच्छा जताई थी। लेकिन बाद में उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया। इस भार वर्ग में अब निशु भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतने वाले अमन भी चयन ट्रायल में शामिल नहीं हुए। उनके इस फैसले का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। अब राहुल 57 किग्रा वर्ग में भारत की चुनौती पेश करेंगे। सुजीत पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उतरेंगे। उन्होंने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहले घोषणा कर चुका था कि एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले पहलवानों और पिछली विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में विजेता रहे पहलवानों के बीच एक बार फिर मुकाबले कराए जाएंगे। इन मुकाबलों के जरिए विश्व चैंपियनशिप के लिए अंतिम चयन होना था। इस बीच महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में परवीन और नीलम के बीच हुए चयन मुकाबले को लेकर विवाद हो गया।

चोपड़ा 350 से अधिक बच्चों का बढ़ाएंगे उत्साह

नयी दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शनिवार को सोनीपत में यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप के आयोजन में 350 से अधिक बच्चों का उत्साह बढ़ाएंगे। दो साल तक इस प्रतियोगिता के ब्रांड दूत रहने के बाद चोपड़ा इस साल की शुरुआत में यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप की पहल करने वाली कंपनी 'एसडी स्पोर्ट्स इंडिया' के सह-मालिक बन गए थे। अब वह इस जमीनी स्तर की प्रतियोगिता को अपने गृह राज्य हरियाणा लेकर आए हैं। एक विज्ञप्ति के अनुसार चोपड़ा सोनीपत के राई स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय में 350 से अधिक बच्चों के साथ क्षेत्र के पहले 'सिटी फाइनल' का जश्न मनाएंगे। यह पहल देशभर के बच्चों के लिए खेल के अवसर उपलब्ध कराने की उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। चोपड़ा ने विज्ञप्ति में कहा, ''हरियाणा हमेशा मेरे लिए खास रहेगा क्योंकि खेलों में मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था।

नेशनल बॉक्सिंग में सीएमएस के सम्यक ने जीता रजत पदक



(आज खेल समाचार सेवा)

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आनन्द नगर कैम्पस के कक्षा-8 के प्रतिभाशाली छात्र सम्यक सिंह ने जबलपुर, मध्य प्रदेश में आयोजित सीआईएससीई नेशनल बाक्सिंग टूर्नामेन्ट में सिल्वर मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। सम्यक ने यह सिल्वर मेडल 42 से 44 किग्रा भारवर्ग में जीता है। टूर्नामेन्ट का आयोजन काउन्सिल फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन (सी.आई.एस.सी.ई.) के तत्वावधान में किया गया। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्सऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेन्ट में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें सीएमएस के सम्यक सिंह ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अपने दमखम व उत्कृष्ट तकनीक का शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाने का संकेत दिया है। सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

मेघना ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नयी दिल्ली। भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एस मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की आंध्र प्रदेश की 30 साल की इस खिलाड़ी नवंबर 2022 में आखिरी बार भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी और गुजरात जायंट्स के लिए खेल चुकी है। मेघना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करते हुए मेरा दिल कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ है। भारत के लिए तीन वनडे और 17 टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैदान मेरे लिए दूसरे घर की तरह रहा है। इसने मुझे विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना और विनम्र बने रहना सिखाया। इसने मुझे ऐसी यादें और दोस्त दिये हैं जिन्हें मैं जीवनभर संजोकर रखूंगी। उन्होंने लिखा, ''भले ही क्रिकेट खेलने के मेरे दिन अब समाप्त हो गए हैं, लेकिन इस खेल से मेरा रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी।

अमन को सीके नायडू अंडर-19 क्रिकेट टीम की कमान

लखनऊ मंडल की सीके नायडू अंडर-19 और वीनू मांकड अंडर -17 टीमें घोषित



(आज खेल समाचार सेवा)

लखनऊ। शिक्षा विभाग के तत्वाधान में कानपुर में आयोजित अंडर-19 सी के नायडू एवं अंडर -17 वीनू मांकड स्टेट स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए लखनऊ मंडल टीम क्रिकेट टीम की घोषणा मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता के बाद की गई । लखनऊ मंडल की सीके नायडू टीम की कमान अमन अंसारी को सौंपी गई है । स्टेट क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन कानपुर में 26 अक्टूबर से किया जाएगा, जिसमें लखनऊ मंडल की सीके नायडू और वीनू मांकड की टीमें हिस्सा लेंगी। **टीम अंडर-19 सी के नायडू**- अमन अंसारी कप्तान,मनोज कुमार अभिषेक रावत, आशुतोष गौतम, प्रथम गुप्ता,अर्जुन सिंह,देवांश, कृष्ण शर्मा,अमन कुमार, मानिक मिश्रा,धनंजय सिंह,अमरचंद, विश्वास वर्मा,शिखर मिश्रा, सरफराज अहमद । मैनेजर अमित कुमार सक्सेना, प्रशिक्षक अजय दीक्षित

टीम अंडर -17 वीनू मांकड - उत्कर्ष द्विवेदी कृष्णा सोनी, जैनशिश सिंह, धर्मवीर सिंह,शिवा, अंश राधा कृष्ण, पार्थ सिंह, आदित्य प्रकाश, हिमांशु,मोहम्मद अल्तमश,विराज चिरवाल, युवराज गुप्ता, अभिषेक, शौर्य प्रताप सिंह, मान अवस्थी, आर्यन पटेल। मैनेजर अतुल कुमार सोनी ,प्रशिक्षक संजय कुमार ।

स्वप्निल वाटसन बने राष्ट्रीय चयनकर्ता



(आज खेल समाचार सेवा)

लखनऊ। बीते कई वर्षों से लखनऊ मंडल स्कूल क्रिकेट टीम के प्रशिक्षक व चयनकर्ता स्वप्निल वाटसन को कानपुर में 26 अक्टूबर से आयोजित स्कूली स्टेट क्रिकेट चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अंडर-19 सीके नायडू टीम का राष्ट्रीय चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। श्री वाटसन इससे पहले भी विभिन्न आयु वर्गों में जैसे अंडर-19 ,17 और सब जूनियर अंडर -14 आयु वर्गों में अनेकों बार राष्ट्रीय चयनकर्ता की भूमिका निभा चुके हैं। सेन्टिनियल कॉलेज के क्रीड़ा अध्यापक व वरिष्ठ शिक्षक के पद पर कार्यरत श्री वॉटसन को उनके सफलतापूर्वक खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को लेकर उन्हें शिक्षा विभाग ने स्कूल क्रिकेट टीम का राष्ट्रीय चयनकर्ता नियुक्त किया है । श्री वॉटसन के चयनकर्ता बनाए जाने पर सेन्टिनियल कॉलेज के प्रधानाचार्य व जिला विद्यालय निरीक्षक ने बधाई दी है।